मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मानित किए गए

■ **अशोक लव**

22 अक्तूबर 2017, जनरल मोहयाल सभा द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण दिन इतिहास के पृष्ठों में जुड़ गया।

सन् 2004 से प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित करने का यह 14वाँ सम्मान–समारोह था। इसकी निरंतरता बनी हुई है। यह मोहयाल बिरादरी के लिए गर्व का विषय है। जनरल मोहयाल सभा अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली ने जबसे इस संस्था का कार्यभार संभाला है, उन्होंने युवाओं को सदा प्रोत्साहित किया है। उनका मानना है कि युवा ही मोहयाल संस्कृति को जीवित रखेंगे और समयानुसार दिशा देते रहेंगे। दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने की पृष्ठभूमि में यही भावना है।

किशोरावस्था और युवावस्था व्यक्ति के जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवस्थाएँ होती हैं। इस अवस्था में सुसंस्कारों का पनपना आवश्यक होता है। अपनी संस्कृति को पहचानना और उस पर गर्व महसूस करना इन्हीं अवस्थाओं से शुरू हो जाना चाहिए। हमें विरासत में शानदार मोहयाल संस्कृति मिली है। हमारे पूर्वज महान विद्वान और वीर योद्धा रहे हैं। प्रत्येक युग में उनमें 'सर्वधर्म समभाव' की भावना रही है। इसी संस्कृति की यात्रा को निरंतरता प्रदान करने के लिए 'जनरल मोहयाल सभा' सबको, विशेषतया युवाओं को संग लेकर आगे बढ़ रही है। आज के सम्मान–समारोह में रायज़ादा बी.डी. बाली ने विद्यार्थियों उनके अभिभावकों तथा उपस्थित मोहयालों को इसी भावना से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि जी.एम.एस की नीतियाँ सदा प्रगतिशील रही हैं। हमने 'एडोप्ट ए चाइल्ड' (एक बच्चे को गोद लें) योजना बनाकर मोहयाल बच्चों को शिक्षा दिलाने की दिशा में कदम उठाया है। इसके लिए फंड इकट्ठे किए हैं। मेरी इच्छा है कि कोई भी मोहयाल बालक–बालिका धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण करने से वंचित न रहे। हम ज़रूरतमंद बच्चों की सहायता कर रहे हैं और करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मोहयाल बच्चे बहुत प्रतिभाशाली हैं। उनकी इस योग्यता को स्वीकारने, उन्हें प्रोत्साहित करने और उच्च शिक्षा ग्रहण के लिए प्रेरित करने के लिए हमने 'प्रतिभाशाली मोहयाली विद्यार्थी सम्मान' शुरू किया है। जैसा कि इसके संयोजक डॉ. अशोक लव ने आपको बताया है इसे सन् 2004 से शुरू किया गया है। अभी तक हम लगभग डेढ़ हज़ार मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित कर चुके हैं।

इस अवसर पर मेरी इन विद्यार्थियों से अपील है कि वे जी.एम.एस. के कदम के साथ कदम मिलाकर चलें। अपनी मोहयाल संस्कृति को आगे बढ़ाएँ। अपने–अपने शहर की मोहयाल सभाओं के साथ जुड़ें।

हम विधवाओं को स्वावलंबी बनाना चाहते हैं। वे काम सीखकर आत्मनिर्भर बनें। हम ऐसी विधवाओं की आर्थिक सहायता करेंगे।

इस अवसर पर जी.एम.एस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ले.जन. जी.एल. बक्शी, उपाध्यक्ष श्री पी.के. दत्ता, श्री बी.एल. छिब्बर और ले. कर्नल एल.आर. वैद (सेक्रेटरी जनरल), श्री अशोक छिब्बर (सचिव), श्री के.जी. मोहन (संयुक्त वित्त सचिव), श्री अशवनी बक्शी (संयुक्त सचिव युवा एवं संस्कृति) आदि ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं।

ले.कर्नल एल.आर. वैद ने अपने धन्यवाद–ज्ञापन में 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' के संयोजक श्री अशोक लव का धन्यवाद किया जो लगभग एक माह से इसकी तैयारियों में लगे हुए थे। उन्होंने जी.एम.एस. अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली का धन्यवाद किया जिनकी प्रेरणा और प्रोत्साहन से यह कार्यक्रम लगातार आयोजित होता आ रहा है। जी.एम.एस. स्टॉफ ने इस आयोजन में श्री अशोक लव के मार्गदर्शन में समर्पित भाव से काम करके इसके सफल आयोजन में अपना योगदान किया है।

उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित माता–पिता से अनुरोध है कि यदि वे अपने बच्चों को डिफ़ेंस की नौकरियों में कमीशंड आफ़ीसर बनाना चाहते हैं तो हमसे संपर्क करें। जनरल मोहयाल सभा की ओर से उनका मार्गदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर मैं जी.एम.एस. के सभी पदाधिकारियों और मैनेजिंग कमेटी के सदस्यों का भी आभार प्रकट करता हूँ, जिनका सहयोग हमें हमेशा मिलता रहता है। वे समय निकालकर आज आए, उनका भी धन्यवाद! मेरी ओर से सभी विद्यार्थियों को एक बार फिर से बधाई!

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी पुरस्कार

1. **श्रीमती केसरादेवी मेहता, तीर्थ राम मोहन ट्रस्ट**
श्री ओ.पी. मोहन (पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट, जी.एम.एस) द्वारा अपने माता–पिता की स्मृति में सर्वश्रेष्ठ अंक पाने वाले कक्षा बारह के एक छात्र और एक छात्रा को–
(क) **छात्र-** राघव दत्ता (96 प्रतिशत) 10000 रु. और गोल्ड मेडल।
(ख) **छात्रा-** तान्या मेहता भिमवाल (अंक 95.8 प्रतिशत), 10000 रु. और गोल्ड मेडल।

2. **श्री सुनहरी लाल छिब्बर स्मृति पुरस्कार**
द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा बारह के छात्र को श्री एस.के. छिब्बर (वित्त सचिव, जी.एम.एस.) द्वारा–
छात्र- श्रेयांश दत्त (अंक 95.6 प्रतिशत), 3100 रुपए और प्रमाण–पत्र।

श्री मोहन लाल छिब्बर स्मृति पुरस्कार
द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा बारह की छात्रा को श्री एस.के. छिब्बर (वित्त सचिव, जी.एम.एस.) द्वारा–
छात्रा- धृति दत्त (अंक 95.6 प्रतिशत), 3100 रुपए और प्रमाण–पत्र।

3. **श्री पी.के. दत्ता (वाइस प्रेज़ीडेंट, जी.एम.एस. द्वारा पुरस्कार)**
तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा बारह के एक छात्रा और एक छात्र को–
(क) **छात्रा-** हर्षिता दत्ता (अंक 95 प्रतिशत), 2000 रु.
(ख) **छात्र-** पार्थ बाली (अंक 94.2 प्रतिशत), 2000 रु.

4. **बक्शी हरिचंद-श्रीमती सुंदरी देवी छिब्बर (शमसाबाद वाले) पुरस्कार**
श्री बी.एल. छिब्बर, आई.आर.एस. (सेवानिवृत्त) (वाइस प्रेज़ीडेंट, जी.एम.एस.) द्वारा अपने माता–पिता की स्मृति में कक्षा बारह के ह्यूमैनिटीज़ विषय में सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले विद्यार्थी को–
छात्रा- स्निग्धा मेहता छिब्बर (अंक 91.4 प्रतिशत), 3100 रु. और सिल्वर मेडल।

5. **पुनीत मेमोरियाल एजूकेशन ट्रस्ट पुरस्कार**
श्रीमती अचला दत्ता और श्री जितेंद्र दत्ता (अमेरिका) द्वारा कक्षा दस और कक्षा बारह के कंप्यूटर साइंस विषय में एक छात्र और एक छात्रा को–
(क) कक्षा दस– **छात्रा-** साक्षी बाली (अंक 100 प्रतिशत), 2000 रु. और स्मृति–चिह्न।
छात्र- ध्रुव दत्ता (ग्रेड ए), 2000 रु. और स्मृति–चिह्न
(ख) कक्षा बारह– **छात्र-** श्रेयांश दत्त (अंक 97 प्रतिशत), 3000 रु. और स्मृति–चिह्न।
छात्रा- कृतिका बक्शी (अंक 95 प्रतिशत), 3000 रु. और स्मृति–चिह्न।

6. **श्री बलदेव राज बाली और श्रीमती बिमला बाली स्मृति पुरस्कार**
श्री रवि दत्त बाली (फ़रीदाबाद) द्वारा अपने माता–पिता की स्मृति में बारहवीं कक्षा के कॉमर्स विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को–
छात्र- राघव दत्ता (अंक 96 प्रतिशत), 5000 रुपए

7. **श्री रमेश दत्ता (प्रेज़ीडेंट मोहयाल सभा फरीदाबाद) द्वारा पुरस्कार**
बारहवीं कक्षा के 90 प्रतिशत और अधिक अंक लाने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को 500–500 रु।
विद्यार्थियों के नाम और अंक–
1. राघव दत्ता (अंक 96 प्रतिशत), पुणे
2. तान्या मेहता भिमवाल (अंक 95.8 प्रतिशत), गुरुग्राम
3. श्रेयांश दत्त (अंक 95.6 प्रतिशत), राउरकेला
4. धृति दत्ता (अंक 95.6 प्रतिशत), नई दिल्ली
5. हर्षिता दत्ता (अंक 95 प्रतिशत), लुधियाना
6. पार्थ बाली (अंक 94.2 प्रतिशत), नई दिल्ली
7. शिवानी दत्ता (अंक 93.11 प्रतिशत), लुधियाना
8. लक्ष्य दत्ता (अंक 93.6 प्रतिशत), यमुनानगर
9. लक्ष्या मेहता मोहन (अंक 93.4), गाजियाबाद
10. मलिका छिब्बर (अंक 91.8 प्रतिशत), अंबाला
11. ऋतेश दत्ता (अंक 91.4 प्रतिशत), नई दिल्ली
12. स्निग्धा मेहता छिब्बर (अंक 91.4 प्रतिशत), नई दिल्ली
13. कृतिका बक्शी वैद (अंक 91.4 प्रतिशत), नई दिल्ली
14. यशिता वैद (अंक 91.2 प्रतिशत), नई दिल्ली
15. मुस्कान वैद (अंक 90.4 प्रतिशत), कुरुक्षेत्र
16. कर्ण बाली (अंक 90 प्रतिशत), फरीदाबाद
17. साक्षी मेहता लौ (अंक 90 प्रतिशत), अंबाला

8. **श्री विनोद कुमार दत्त (वाइस प्रेज़ीडेंट, जी.एम.एस. द्वारा पुरस्कार)**
दसवीं कक्षा में 100 प्रतिशत या CG PA 10.0 प्राप्त करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को 1000–1000 रु.।
विद्यार्थियों के नाम–
1. ईशिता वैद (करनाल)
2. चिराग दत्ता (गुरुग्राम)
3. आशना वैद (नई दिल्ली)
4. गर्वित वैद (अंबाला कैंट)
5. सिया दत्ता (मोहाली)
6. पृथिका दत्ता (नई दिल्ली)
7. रायज़ादा अनिरुद्ध वैद (राजौरी, जम्मू–कश्मीर)
8. ऋद्धि दत्ता (नई दिल्ली)
9. चरणदीप सिंह दत्ता (सहारनपुर)
10. दिव्या वाणी दत्ता (चंडीगढ़)
11. ऋचा अवतार छिब्बर (इंदिरापुरम)
12. दृष्टि मोहन (करनाल)
13. ध्रुव दत्ता (जालंधर)
14. अभिनव दत्त (पटियाला)
15. वेदांत दत्ता (इंदिरापुरम)

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रतिभाशाली विद्यार्थी : बधाई और शुभकामनाएँ

■ मेरा पूर्ण विश्वास है कि हमारे बच्चे हमारी महान संपदा हैं। जी.एम.एस. उनका सशक्तिकरण और मार्गदर्शन करके उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और राष्ट्र का उत्तरदायी नागरिक बनाना चाहती है। हम उन्हें अपनी बिरादरी की गतिविधियों में सक्रिय देखना चाहते हैं। सम्मान के इस अवसर पर मेरी उन्हें और परिवारजन को बधाई।

रायज़ादा बी.डी. बाली *(अध्यक्ष, जी.एम.एस.)*

■ मेरी ओर से सभी मोहयाल विद्यार्थियों को, जिनका इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयन किया गया है, बधाई! उनके परिवारजन को भी बधाई! यह पुरस्कार केवल कुछ प्रतिशत अंक लाने तक सीमित न रह जाए। यह पुरस्कार जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में और श्रेष्ठता प्राप्त करने का साधन बन जाए। जीवन में यदि असफलताएँ मिलें तब भी निराश न हों और कभी हार न मानें, लगातार श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने के लिए परिश्रम करते रहें।

ले.जन. जी.एल. बक्शी, *पी.वी.एस.एम. (सेवानिवृत) (वरिष्ठ उपाध्यक्ष)*

■ अब आप उच्च शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं, इसके लिए अपने उच्च उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित कर लें। इन्हें प्राप्त करने के लिए पारंपरिक गरिमा और समर्पण की भावना बनाए रखें। 'विकास ही जीवन है' इसे सदा स्मरण रखें। हमारे सप्तर्षि और पूर्वज सदा आपको आशीर्वाद देते रहें।

बी.एल. छिब्बर *आई.आर.एस. (सेवानिवृत्त) (उपाध्यक्ष, जीएमएस)*

■ 'सोच–आनंद–कार्यवाही'–सफलता के ये तीन मंत्र हैं। हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में इन तीनों का मेल हमें श्रेष्ठ उपलब्धियों दिलाता है। व्यावहारिक रूप से ये सफलता प्राप्त करने के सरलतम मंत्र हैं। ये स्वयं में बहुत उपयोगी हैं परंतु एक साथ मिलकर तो ये चमत्कार कर देते हैं। इनका जीवन में पालन करें और सफलताओं का आनंद लें। सफल करियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

पी.के. दत्ता *(उपाध्यक्ष, जी.एम.एस.)*

■ आज का विश्व तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है क्योंकि तकनीकी विकास तेज़ी से हो रहा है। आज का विश्व प्रतिस्पर्धा का विश्व बन गया है। उपयुक्त नौकरियाँ पाने के लिए इसमें श्रेष्ठ योग्यताएँ पाना ज़रूरी हो गया है। अपने लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें पाने के लिए खूब परिश्रम करें। आपमें से जो जल–थल–नभ सेनाओं में कमीशंड आफ़ीसर्ज़ बनना चाहते हैं, वे हमसे संपर्क कर सकते हैं। आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ!

ले.कर्नल एल.आर. वैद *(सेवानिवृत्त) (महासचिव)*

■ 14वें प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान के लिए आप चुने गए हैं। आपको, आपके माता–पिता और अध्यापक–अध्यापिकाओं को बधाई! आप जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं तो पुस्तकें को अपना साथी बनाएँ। निरंतर अध्ययनरत रहें क्योंकि पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान ही सफलताओं के द्वार खोलता है।

ज्ञानवान तब ही बनें, पढ़ने की जब चाह।
पुस्तक में सबको मिले, जीने की हार राह।।

पुरस्कृत और सम्मानित होने के लिए पुनः बधाई!

अशोक लव *(संयोजक–प्र.मो.वि. सम्मान)*
(संपादक–मोहयाल मित्र हिंदी)

■ जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व है क्योंकि इसके द्वारा मानसिक विकास होता है और चिंतन को दिशा मिलती है। जीवन में सदा सकारात्मक सोच रखें। जनरल मोहयाल सभा की ओर से युवक–युवतियों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा पाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आप बिरादरी की सर्वोच्च संस्था–जी.एम.एस. के साथ जुड़ें और इसकी गतिविधियों में भाग लें। बधाई और शुभकामनाएँ!

योगेश मेहता *(चेयरमैन, युवा और संस्कृति, जी.एम.एस.)*

■ आपने परिश्रमपूर्वक अध्ययन करके यह सम्मान प्राप्त किया है। बधाई और शुभकामनाएँ!

सुशील कुमार छिब्बर *(वित्त सचिव)*

■ आपको सम्मानित किए जाने पर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। परिश्रम करते रहें। बधाई!

अशोक छिब्बर *(सचिव, जी.एम.एस.)*

■ इस प्रतिष्ठित सम्मान को प्राप्त करने के अवसर पर आपको बधाई! परिश्रम द्वारा ही सम्मान, पुरस्कार मिलते हैं।

के.जी. मोहन *(संयुक्त सचिव, जी.एम.एस.)*

■ मेरी बधाई स्वीकारें और हमारी जीवंत बिरादरी के सक्रिय सदस्य बनें। आप हमारे भविष्य हैं।

अशवनी बक्शी *(संयुक्त सचिव, यूथ एंड कल्चर)*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

भाषण-प्रतियोगिता परिणाम

विषयः 1. जनरल मोहयाल सभा चाहती है कि धन के अभाव में कोई भी मोहयाल विद्यार्थी शिक्षा लेने से वंचित न रह जाए। हमने 'एडॉप्ट ए चाइल्ड स्कीम' (एक बच्चा गोद लें योजना) आरंभ की है। इसे कैसे लागू किया जाए, इसके लिए अपने सुझाव दें।

2. युवा विधवाएँ तकनीकी या अन्य प्रशिक्षण लेकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं, इसके लिए जीएमएस उनकी कैसे सहायता कर सकती है?

3. मोहयाल समाज की मुख्यधारा में युवा मोहयालों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए कैसे प्रोत्साहित किया जा सकता है?

विद्यार्थियों के समक्ष इन तीन विषयों पर इंगलिश या हिंदी में भाषण देने का विकल्प था। अधिकांश विद्यार्थियों ने इंगलिश में भाषण दिया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे– श्री बी.एम. दत्ता (चुनाव अधिकारी, जी.एम.एस.), श्री एस.एस. मोहन (सदस्य जीएमएस मैनेजिंग कमेटी), श्री अशवनी बक्शी (संयुक्त सचिव, यूथ एंड कल्चर)।
13 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

दसवीं कक्षा

1. दिव्या वाणी दत्ता (चंडीगढ़)
2. अभिनव दत्ता (पटियाला)
3. श्रुति बाली (देहरादून)
4. सरन्या बाली (नारायणगढ़)
5. दीक्षित दत्त (कश्मीर)
6. यश छिब्बर (गुरुग्राम)
7. श्रीया बाली (जम्मू)
8. नमन बक्शी (नई दिल्ली)
9. पारुल दत्ता (अंबाला)

बारहवीं कक्षा

1. तान्या मेहता (गुरुग्राम)
2. श्रेयांश दत्ता (राउरकेला)
3. पार्थ बाली (नई दिल्ली)
4. कृतिका बक्शी (दिल्ली कैंट)

विजेता और पुरस्कार

संयोजक श्री अशोक लव ने निर्णायकों और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। उन्होंने तीनों निर्णायकों का परिचय दिया और विजेताओं के नामों की घोषणा की।

प्रथम पुरस्कारः अभिनव दत्त (कक्षा दस) सुपुत्र–श्रीमती सरिता दत्त एवं श्री रवि दत्त (208, मालवा एनक्लेव, स्ट्रीट–1, धामू माजरा रोड, पटियाला 147001)
पुरस्कार राशि – 2100 रुपए

द्वितीय पुरस्कारः श्रेयांश दत्त (कक्षा बारह) सुपुत्र–डॉ. रमा दत्त एवं डॉ. अनिल कुमार दत्त (बी–7, कोयलनगर, राउरकेला 769005)
पुरस्कार राशि– 1500 रुपए

तृतीय पुरस्कारः तान्या मेहता भिमवाल (कक्षा बारह) सुपुत्री–श्रीमती मंजु मेहता एवं श्री पराग मेहता (सी 1–2957 (जी.एफ.), सुशांत लोक–1, सेक्टर 43, पारस अस्पताल के पीछे, गुरुग्राम 122002)
पुरस्कार राशि– 1100 रुपए

विशेष झलकियाँ

इस बार कुल 84 विद्यार्थियों को सम्मान/पुरस्कार के लिए योग्य पाया गया था। इसमें से 70 विद्यार्थियों या उनके अभिभावकों ने सम्मान/पुरस्कार ग्रहण किया। रायज़ादा बी.डी. बाली ने कहा कि सम्मान/पुरस्कार लेने के लिए विद्यार्थियों को स्वयं आना चाहिए। जी.एम.एस. द्वारा इसके लिए महीनों से तैयारी की जाती है। विद्यार्थियों के स्थान पर उनके दादा–दादी, नाना–नानी, माता–पिता या भाई यह सम्मान–पुरस्कार लेने आते हैं, पर विद्यार्थी स्वयं नहीं आते। हम अगली बार से कोशिश करेंगे कि उन्हीं विद्यार्थियों को सम्मानित–पुरस्कृत किया जाए जो स्वयं आकर इस समारोह में भाग लें और सम्मान/पुरस्कार पाएँ।

इस बार इस समारोह में साठ प्रतिशत से अधिक ऐसे मोहयाल आए थे जो पहली बार किसी मोहयाल समारोह में शामिल हुए थे। यह जनरल मोहयाल सभा के कार्यक्रमों और नीतियों की सफलता है कि वे 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' और अन्य आयोजनों द्वारा अधिक से अधिक मोहयालों को मुख्यधारा में ला रही है। सबने जनरल मोहयाल सभा के कार्यों की और सुव्यवस्था की प्रशंसा की।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

■ श्री आर.टी. मोहन लिखित पुस्तक 'अफ़गानिस्तान रिविज़िटिड' पुस्तक की एक–एक प्रति बारहवीं कक्षा के श्रेष्ठ अंक पाने वाले दस विद्यार्थियों को भेंट की गई।

■ सम्मान समारोह का आरंभ रायज़ादा बी.डी. बाली द्वारा मोहयाल ध्वज फहराकर किया गया। श्रीमती सुनीता मेहता के साथ उपस्थित लगभग 150 मोहयालों ने 'मोहयाल प्रार्थना' पढ़ी। रायज़ादा बी.डी. बाली, ले.जन. जी.एस. बक्शी, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री पी.के. दत्ता, श्री एल.आर. वैद और श्री अशोक लव ने दीप–प्रज्वलित किया।

■ जी.एम.एस. के पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट मेहता ओ. पी. मोहन ने इस वर्ष बारहवीं कक्षा के सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र और छात्रा को पुरस्कार राशि बढ़ाकर पाँच हज़ार से दस हज़ार रुपए कर दी है। उन्होंने अलग से एक लाख रुपए इस सम्मान के लिए जी.एम. एस. को देने की घोषणा की है।

■ डॉ. आदर्श बाली (कुरुक्षेत्र) ने अपने शहीद पुत्र मेजर नितिन बाली की स्मृति में चार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए बीस हज़ार रु. भेंट किए।

■ प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित–पुरस्कृत करने के अवसर पर 'ब्रोशर' प्रकाशित किया गया। इसका संपादन श्री अशोक लव ने किया है। इसमें पुरस्कृत 84 विद्यार्थियों के फ़ोटोग्राफ़ और जी.एम. एस. पदाधिकारियों के संदेश प्रकाशित किए गए हैं। इसका प्रकाशन श्री पी.के. दत्ता (उपाध्यक्ष) के सहयोग से किया गया है। रायज़ादा बी.डी. बाली, ले.जन. जी. एल. बक्शी, श्री ओ.पी. मोहन, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री पी.के. दत्ता, ले.कर्नल एल.आर. वैद और श्री अशोक लव ने इसका लोकार्पण किया।

जो प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी किसी कारणवश समारोह में उपस्थित नहीं हो सके, वे पुरस्कार-राशि, स्मृति-चिह्न (Memento) और सम्मान-पत्र (Certificate) जनरल मोहयाल सभा के कार्यालय से ले सकते हैं। इसके लिए संपर्क करें-
पता- ए-9, कुतुब इंस्टीट्शनल एरिया, यू.एस.ओ. रोड, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली 110067
011-41783232, 011-26560456

मोहयाल सभा फ़रीदाबाद द्वारा आयोजित

बाल-दिवस और मिनी मोहयाल मेला

दिनांक : 5 नवंबर 2017
समय : प्रातः 11 बजे
स्थान : मोहयाल भवन, नं.5, एन.आई.टी. (बांके बिहारी मंदिर के सामने) फरीदाबाद

बच्चों के लिए अनेक गतिविधियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान, पुरस्कार वितरण आदि।

फ़रीदाबाद के मोहयाल सपरिवार बढ़–चढ़ कर भाग लें।

संपर्क करें-

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो.: 9212557095*
रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

श्रीमती कृष्णा देवी लौ की स्मृति

श्री विजय स्वरूप लौ ने अपनी पत्नी स्वर्गीय कृष्णा देवी लौ की स्मृति में मोहयाल आश्रम वृंदावन के लंगर–फंड के लिए 11000 रु. (ग्यारह हज़ार रुपए) भेंट किए।

लंगर की तिथि एक अक्तूबर है।

विजय स्वरूप लौ, ब्लॉक 13/332 बी, गीता कॉलोनी, दिल्ली–110031 (मो.) 9899594651

लंगर-फंड

श्री कुलवंत सिंह दत्त एवम् परिवार ने अपने माता–पिता श्रीमती विद्यावती व मैहता बलवन्त सिंह दत्त (ज़फरवाल दत्तां) की याद में, वृंदावन मोहयाल आश्रम लंगर फण्ड के लिए 11000 रु. (ग्यारह हज़ार रुपए) जनरल मोहयाल सभा को भेंट किए। लंगर तिथिः 13 अप्रैल

कुछ आवश्यक बातें

□ बारह महीनों में क्या खाएँ, क्या न खाएँ
चैते गुड़, न वैशाखे तेल
जेठे पंथ, न असाढ़े बेल
सावन साग, न भादो दही
क्वार करेला, न कार्तिक मही
पंद्रहन दिन जब अगहन जाए
जो मन भावे सो खाए।

□ ककड़ियों का रायता बनाकर न खाएँ। ककड़ी खाने के तुरंत बाद दही न खाएँ, लस्सी न पिएँ।

□ सूर्यास्त के बाद दही, खीरा, पका केला, मूली न खाएँ। सुबह का खीरा–'हीरा', दोपहर का खीरा–'खीरा', शाम का खीरा–पीड़ा।

□ रात के खाने में रोटी की जगह चावल खाएँ। चावल जल्दी पचते हैं।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 10 अक्तूबर 2017 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें लगभग 26 मोहयाल भाई–बहनों ने भाग लिया और मोहयाल प्रार्थना पढ़ी गई।

शोकः श्री रघुवंशी लाल वैद जी का निधन 13 सितंबर को हुआ। श्री मिथिलेश दत्ता जी की बहन श्रीमती सुदेश मेहता जी का निधन 5 सितंबर को हुआ। श्री रमेश कुमार मेहता जी का निधन 14 सितंबर हुआ। श्रीमती रीना लौ जी के पति श्री राकेश लौ जी का उठाला 6 सितम्बर को हुआ। सभी मोहयाल भाई–बहनों ने सबकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से प्रार्थना की कि वे सभी की आत्मा को शांति प्रदान करें।

मीटिंग में पहली बार शामिल हुए श्री बी.के. बाली जी 5बी/33, का सभी ने अभिवादन किया, तथा आग्रह किया कि हर माह मीटिंग में शामिल हों। रायजादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई, और सभी को बताया कि 5 नवंबर को हम लोग फरीदाबाद मोहयाल भवन में प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करेंगें, बाल–दिवस के अवसर पर बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, सभी माता–पिता से अनुरोध है कि यदि वे अपने बच्चों को कार्यक्रम में भाग दिलवाना चाहते हैं तो कृपया तैयारी करवा लें। श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की– श्रीमती उषा मेहता जी ने 250 रु. अपने पति श्री रमेश कुमार जी की याद में दिए। प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने अपनी तथा सभी की ओर से करवा चौथ तथा दीपावली की शुभकामनाएँ दीं।

श्री नगेन्द्र दत्ता जी ने भी सभी को मुबारकबाद दी तथा बताया कि आज करवाचौथ का पर्व है व आज के भोजन का आयोजन हमारे प्रधान जी ने करवाचौथ के उपलक्ष्य में किया है। श्री इंद्र बाली ने करवाचौथ के बारे में बताया तथा श्रीमती बाला बाली जी ने मधुर गीत सुनाकर सबका मनोरंजन किया।

श्री रमेश दत्ता जी ने बतया कि श्री के.जी. छिब्बर जी और अरूणा दत्ता जी काफी समय के बाद आज मीटिंग में आए हैं, उन्होंने सभी की ओर से उनका धन्यवाद किया और आगे भी इसी प्रकार आने का आग्रह किया, और बताया कि 5 नवंबर को अपने भवन में एक छोटे से मेले का आयोजन कर रहे हैं, सभी भाई–बहनों स्वंय आए और अपने साथ और भी भाई–बहनों को लाने का कष्ट करें। इसके साथ ही श्री रमेश दत्ता जी ने आज करवाचौथ के पर्व पर सभी को समय निकाल कर मीटिंग में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो.: 9212557095*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 8.10.2017 को सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद श्री राजीव दत्त सुपुत्र स्वर्गीय श्री करतार सिंह दत्ता जी के निवास स्थान दोसडका में सम्पन्न हुई। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले महीने की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की। मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से सभी मोहयाल भाइयों व बहनों को दीपावली की शुभकामनाएँ। मीटिंग में यह सुझाव दिया गया कि सभी सदस्य अपने साथ युवाओं को भी साथ लेकर आएँ ताकि उन्हें भी बिरादरी की गतिविधियों के बारे में पता चले।

अंत में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए श्री राजीव दत्त परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 9466213488

पानीपत

मोहयाल सभा पानीपत की मासिक बैठक 24 सितंबर 2017 को श्री राजकुमार दत्ता के निवास स्थान पर श्री ऋत मोहन जी की अध्यक्षता में हुई। मोहयाल प्रार्थना तथा गायत्री मंत्र के पश्चात श्री देसराज वैद जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। वे श्री अशोक छिब्बर व जितेंद्र छिब्बर के चचेरे भाई थे।

सदस्यों को 'जनरल मोहयाल सभा' द्वारा करवाई जा रही जनगणना के बारे में बताया गया। साथ ही मौके पर ही 10–12 परिवारों के फार्म भरे गए। साथ ही सभी से अपील की गई के वे भी अपने–अपने फार्म भर कर लोकल सभा को जमा करवा दें।

श्री विजय मेहता जी के घर जन्माष्टमी के दिन पोते का जन्म हुआ, जिसका नाम केशव रखा गया है। उन्होंने मीटिंग में सभी सदस्यों का मुँह भी मीठा करवाया। सदस्यों को मोहयाल फाउंडेशन में आयोजित होने वाले 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' की जानकारी भी दी गई। पानीपत से श्री समीर दत्ता जी की बेटी को भी इस वर्ष सम्मानित किया

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जाएगा। बाकी अभिभावकों को भी अपने बच्चों सहित इसमें सम्मिलित होने के लिए कहा गया, क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को प्रेरणा मिलती है।

स्थानीय 'बाल विकास स्कूल' में पढ़ने वाली शिवि दत्ता ने 'गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल' में आयोजित हुई गीत–प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वह श्री रमन दत्ता जी की बेटी है। कुमारी कामाक्षा वैद ने मीटिंग दौरान नृत्य पेश किया जिसने सभी का सभी ने आनंद लिया। वह श्री प्रवीण वैद जी की बेटी है।

श्री नरेंद्र दत्ता जी की आँखों का ऑपरेशन हुआ है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

क्योंकि नवरात्रे चल रहे अतः दत्ता परिवार ने व्रत के खाने का प्रबंध किया था। वहीं कुछ देर माँ के भजन भी गाए गए। अंत में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त की गई। जलपान की व्यवस्था व मीटिंग के आयोजन के लिए श्रीमती नीलम दत्ता व श्री राजकुमार दत्ता जी का धन्यवाद किया गया।

नरेन्द्र छिब्बर
मो. 9416412184

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक दिनांक 01.10. 2017 को प्रधान श्री शेरजंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता (सचिव) के निवास स्थान दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 17 भाई–बहनों ने भाग लिया। श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किय।

मोहयाल सभा नजफगढ़ की अगली मीटिंग दिनांक 5 नवंबर 2017 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़ नई दिल्ली) में प्रातः 10 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है। सभी सदस्यों ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

शेर जंग, *प्रधान*
मो.: 9871756765

हर्ष दत्ता, *सचिव*
मो. 9312174583

नवंबर माह के व्रत–त्योहार

एक नवंबर	– तुलसी विवाह आरंभ
तीन नवंबर	– पूर्णिमा
चार नवंबर	– तुलसी विवाह समाप्ति, गुरु नानक जयंती
दस नवंबर	– काल अष्टमी
अठारह नवंबर	– अमावस्या
उन्नीस नवंबर	– देव दीपावली
तीस नवंबर	– मोक्षदा एकादशी

महिला मोहयाल सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 15 अक्तूबर 2017 को प्रधान श्रीमती सविता मेहता जी अध्यक्षता में श्रीमती वीना दत्ता जी के निवास स्थान पर हुई। मोहयाल प्रार्थना और गायत्री मंत्र के साथ सभा की शुरुआत हुई। जिसमें सभी ने एक दूसरे को दीवाली की मुबारकबाद दी और आने वाले कार्यक्रम के बारे में बात की और दत्ता जी का जन्म दिन होने की वजह से सभा में और भी रौनक बढ़ गई। केक काट कर उन्होंने अपना जन्म दिन मनाया। और बहुत ही स्वादिष्ट जलपान करवाया और अंत में सभी को दीवाली का उपहार भी दिया सभी बहनों ने वीना दत्ता जी का धन्यवाद किया।

श्रीमती अर्चना दत्ता, *सचिव*
मो. 8755398813

पियूष भीमवाल ने ए–2 ग्रेड पाया

पियूष भीमवाल ने 10+2 में A2 ग्रेड प्राप्त किया। पियूष भीमवाल श्री मैहता रविकान्त भीमवाल जी एवं श्रीमती रेणू भीमवाल जी अबोहर का सुपुत्र तथा स्व. मैहता जगदीश चन्दर भीमवाल जी व श्रीमती कमला भीमवाल अबोहर का पोता है साथ ही स्व. मेहता रवि दत्त (वैद) जी एवम् श्रीमती चंचल मेहता (वैद) जी कुरूक्षेत्र का दोहता है। पियूष भीमवाल बचपन से ही पढ़ने में होशियार है। आजकल आस्ट्रेलिया में अच्छी यूनिवर्सिटी में आगे की उच्च शिक्षा ले रहा है।

इस खुशी के मौके पर दादी श्रीमती कमला भीमवाल ने जी.एम.एस. एजूकेशन फंड के लिए 1100 रुपए भेंट किए।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री वेद प्रकाश मेहता को श्रद्धांजलि

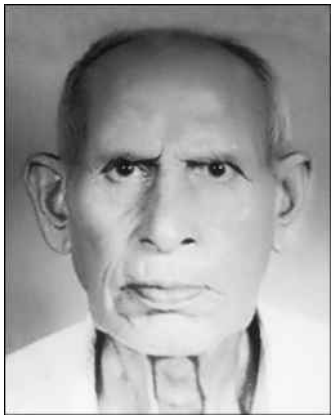

श्री वेद प्रकाश मेहता (वैद) पुत्र स्वर्गीय श्री शर्मपत वैद का देहांत 14 अगस्त 2015 को हुआ था। उनके निधन को दो वर्ष हो गए हैं। उनके पुत्र श्री राजकुमार मेहता और पुत्रवधू श्वेता मैहता ने श्री वेद प्रकाश मेहता की स्मृति में 250 रुपए मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप और 250 रुपए जनरल मोहयाल सभा के विधवा फंड में भेंट किए।—***राजकुमार मैहता*** *(मो.) 9896304104*

स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल का 71वाँ जन्म-दिन

स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल धर्मपत्नी मैहता विश्वामित्र भीमवाल पुत्र वधु स्व. मैहता नरनारायण भीमवाल एवम् स्व. श्रीमती लाजवंती भीमवाल करियाला, जिला जेहलम (पं. पाक) सुपुत्री स्व. श्री राम रखामल वैद जी एवं स्व. श्रीमती सत्या देवी वैद जी जलालपुर जट्टां जिला गुजरात (प. पाक) का 71वाँ जन्मदिन 31.05.2017 को अबोहर में मेहता विश्वामित्र भीमवाल के निवास स्थान पर सुंदरकाण्ड का पाठ करके मंदिर में जाकर पुजारी को फल—आहार व दक्षिणा देकर मित्र गणों व रिश्तेदारों के साथ मनाया। मैहता विश्वामित्र भीमवाल एवम् स्व. श्रीमती सरला भीमवाल के पुत्रों, पुत्र वधुओं, पोते, पोतियों ने भी अपने—अपने निवास स्थानों पंडितों को फलोआहार व दक्षिणा भेंट करके अपनी स्व. माता का 71वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर भीमवाल परिवार ने 500 रुपए जीएमएस के एजूकेशन फंड में दान दिए।—***मैहता विश्वामित्र भीमवाल,*** *प्रधान मो.स. अबोहर (पंजाब),मो. 9780160085*

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

स्वर्गीय श्री रमेशचन्द्र मैहता (भीमवाल) का 88वाँ जन्म-दिन

स्वर्गीय श्री रमेशचन्द्र मेहता जी सुपुत्र स्व. मैहता नरनारायण जी भीमवाल व श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल, करियाला, जिला जेहलम (प.पाक) का जन्म मु. पो. भंगरखेड़ा (पंजाब) में दिनांक 14.05.1929 को हुआ। स्व. श्री रमेशचन्द्र मैहता का 88वाँ जन्मदिन 14.05.2017 को यू. एस.ए. में श्रीमती बिमला मेहता एवं श्री आनंद वासुदेवन जी व श्रीमती कानन मेहता के निवास स्थान पर मित्रगणों व रिश्तेदारों के साथ मिलकर कीर्तन व पाठ आदि करवा कर मनाया गया। तथा अबोहर पंजाब में छोटे भाई मैहता विश्वामित्र भीमवाल ने अपने निवास स्थान पर स्वयं श्री सुंदरकण्ड का पाठ करवाया तथा मंदिर के पुजारी को फलाआहार व दक्षिणा भेंट दी। श्रीमती बिमला मैहता ने 500 रुपए जीएमएस एजूकेशन फंड के लिए भेंट किए।

—***मैहता विश्वामित्र भीमवाल,*** *(छोटा भाई) प्रधान मो.स. अबोहर (पंजाब),मो. 9780160085*

स्व. पं. उत्तम चन्द लव

मेरे पिता उत्तम चन्द लव पं. हाकिम चंद (शामे पोत्रे) के पुत्र थे। मेरे पिता जीवन भर प्रभु प्रार्थना में ही लीन रहे। देश विभाजन पर भी इतने समभाव रहे जैसे संत प्रकृति की प्रवृति जन्म से ही हो। वे तहसील खुशाब, जिला सरगोधा के नूरपुर गाँव में जन्म हुआ। पाकिस्तान में भी जिला बोर्ड में अध्यापक थे। भारत में हापुड़ (मेरठ) में भी मशहूर मोदी परिवार नगर सेठ ताराचंद जी मोदी जी की कृपा से नगर पालिका में अध्यापक रहकर सेवा निवृत्त हुए।

11.11.1971 को सारे परिवार को सद्वृति—संतोष सेवा और सहयोग का पाठ पढ़ाते हुए इस लोक से उस लोक में मोक्ष प्राप्त करते हुए विदा हुए। ओम् शांति ऊँ

नरेन्द्र लव, राजेन्द्र लव, सुरेन्द्र लव (पुत्र), गोवर्धन बिहारी कॉलोनी, शाहदरा दिल्ली—32 ने 500 रुपए जीएमएस के शिक्षा फण्ड में भेंट किए।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

रौनक मैहता की पहली बरसी

हमारे सनी को दुनिया से गए हुए एक बरस बीत गया है। विश्वास ही नहीं होता कि अब वह हम सबके बीच नहीं है।

''उसकी मासूम सी आँखें देख,
सब दुःख हम भूल जाते।
उसकी शरारतों में,
सब हँसते चले जाते।''

हर पल उस का मुस्कराता चेहरा याद आता है। ऐसा महसूस होता है कि उसकी 'रुह' अभी भी अपने घर में अपनों के आस–पास है।

''वह रोनक भी था वह सनी भी था,
वह प्यारी मुस्कान का धनी भी था।''

अब न जाने किस बगिया का फूल बन कर महक रहा होगा। अपने पापा की जान, माँ का दुलारा, भाई–बहन का प्यारा व हम सबका तारा कहाँ लुप्त हो गया।
बहुत ही प्यार भरा दिल था उसका।
जब भी फोन करो तो यह जरूर कहता ''बुआ आ जाओ''

सदा रहोगे दिल के पास
सदा बसोरो यादों में
बिन तुम्हारे घर रहेगा सुना
नमी रहेगी आँखों में।

अपने दादा–दादी दिल की 'धड़कन' था इसलिए तो उनके पास चला गया।

सनी तुम हमें बहुत याद आते हो कहाँ चले गए सबको रोता हुआ छोड़ कर।

''अब न जानें इस दुनिया में,
कब हम से मिलने आओगे
हम सबके दिलों में बसने वाले''

*आप की बुआ–**सुनीता दत्ता***

गोत्र और गोत्र ऋषि

संकलन - अशोक लव

गोत्र का अर्थ वंश भी होता है। गोत्र किसी ऋषि के नाम से शुरू होता है। ऐसी मान्यता है कि हिंदुओं के पहले सात गोत्र ही होते थे। धीरे–धीरे अन्य ऋषियों के संपर्क से गोत्रों की संख्या बढ़ती चली गई। महाभारत के शांति पर्व (296–17,18) में कहा गया है गोत्र चार थे– 1. अंगिरा 2. कश्यप 3. वशिष्ठ 4. भृगु। बाद में चार गोत्र और बने। ये हैं– 1. जमदग्नि 2. अत्रि 3. विश्वामित्र 4. अगस्त्य। इस तरह कुल आठ गोत्र ऋषि हो गए।

प्रत्येक हिंदू का गोत्र अवश्य होता है।

पाणिनी के सूत्रों के अनुसार 'अपत्यं पौत्राप्रभुतिगोत्रम' (4–1–162) है–

ऋषि का अर्थ है वेदों के मंत्रद्रष्टा अर्थात् समाधि द्वारा मंत्रों को जानने वाले।

इन मंत्रद्रष्टा ऋषियों में जो श्रेष्ठ होते थे, उन्हें 'प्रवर' कहते थे। 'प्रवर' का दूसरा अर्थ है यज्ञ के समय यजमान जिन ऋषियों का वंशज होने का संकल्प करता है, वह ऋषि 'प्रवर' होता है। प्रत्येक गोत्र में एक, दो, तीन या पाँच प्रवर ऋषि होते हैं। किसी भी गोत्र में चार प्रवर ऋषि नहीं होते और पाँच से अधिक भी नहीं होते।

मूलतः दस गोत्रकर्ता ऋषि थे। उनका वंश बढ़ता चला गया। प्रत्येक वंश की शाखा बनती चली गई। अलग हुई शाखा के नाम को 'गण' कहते हैं।

गोत्रों के 'प्रवर' के अतिरिक्त इनका भी विचार किया जाता है– वेद शाखा, सूत्र पाद, शिखा और देवता। वेद का अर्थ है उस गोत्र ऋषि ने किस वेद को पढ़ा या प्रचार किया। उस गोत्र वाले अधिकतर उसी वेद का अध्ययन और उसमें बताए कर्मों का पालन करते आए हैं। इसलिए किसी गोत्र का वेद 'यजुर्वेद' है, किसी का 'सामवेद', किसी का 'ऋग्वेद' तो किसी का 'अथर्व वेद'। उत्तर भारत में सामवेद और यजुर्वेद का अधिक प्रचार था। धीरे–धीरे लोग पूरा वेद न पढ़ सके। तब उसकी शाखाओं में किसी एक का व्यवहार किया जाने लगा। इस तरह 'शाखा' का प्रचलन हो गया। उस शाखा में बताए कर्मों की विधियाँ तैयार हुईं। अलग–अलग ऋषियों ने सूत्र बनाए। यजुर्वेद का कात्यायन, सामवेद का गोभिल, ऋग्वेद का आश्वलायन और अथर्ववेद का कौशिक ऋषि ने सूत्र बनाया। प्रत्येक ऋषि ने अपनी शाखा के सूत्र ग्रंथ की रचना की। प्रत्येक वेद या उसकी शाखा को पढ़ने वाला किसी विशेष देवता को पूजता है।

वही उनका देवता बना!

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

तुलसी विवाह

स्कन्दपुराण लिखी कथा श्री तुलसी विवाह का वर्णन मिलता हैं। जालन्धर नाम दैत्य की पतिव्रता पत्नी वृंदा का सतीत्व जालन्धर की अमरता का आधार बन गया था। तब सृष्टि के कल्याण के लिए भगवान विष्णु को वृंदा का सतीत्व भंग करने का प्रयास करना पड़ा। तब जाकर जालन्धर का वध सम्भव हुआ। जब वृंदा को भगवान विष्णु के इस कृत्य का पता चला तो उन्होंने भगवान विष्णु को श्राप दे दिया, जिससे भगवान विष्णु पत्थर हो गए। इसी श्राप की मुक्ति के लिए भगवान शालिग्राम को तुलसी से विवाह रचाना पड़ा। (पत्थर रुप में भगवान विष्णु का नाम शालिग्राम कहा जाता है।) तभी से तुलसी विवाह की रस्म प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की एकादशी मनाया जाता है।

इस अवसर पर व्रत रखने से पूर्व जन्म के किए पाप नष्ट हो जाते हैं। पुण्य की प्राप्ति होती हैं। जिन दम्पत्तियों की कन्याएँ नहीं होतीं वे जीवन में एक बार तुलसी विवाह कर कन्यादान का पुण्य प्राप्त कर सकते हैं।

हिन्दुओं में इस दिन विवाह का विशेष महत्व हैं। यह विवाह के लिए शुभ साया है अर्थात् बिना मुर्हूत का विचार किए इस दिन विवाह किया जा सकता है।

विरेन्द्र कुमार छिब्बर, *ज्योतिष आचार्य*
EA-94 इन्द्रपुरी नई दिल्ली 110012 मो. 9818094655

"भटके युवा"

भारत माँ के भटके बेटे, आजा तू सीधी राहों में,
भारत से अच्छा देश नहीं, दुनिया वालों की निगाहों में,
गैरों की बातों में मत आ, आजा अपनों की पनाहों में,
भारत माँ ममता की मूरत, ले लेगी तुझको बाँहों में।

सोच कि तू इक सैनिक है, जब तू भी पत्थर खाएगा,
ज़मीर तुझे धिक्कारेगा, तब किसको शक्ल दिखाएगा,
बच्चों का मार्गदर्शक बन, क्या उनको यह सिखलाएगा,
वे जीते जी मर जाएँगे, इल्ज़ाम जो तुझ पर आएगा।

भारत में हमने जन्म लिया, यह सोच के मन इतराता है,
भारत माँ की सन्तान है तू, फिर भी पत्थर बरसाता है,
अपनों संग कैसा प्यार तेरा, ये देख के मन घबराता है,
आजा तू सीधी राहों में, अब किस से तू शरमाता है।

भारत की उन्नति देख कर, अपना ये पड़ोसी जलता है,
युवा को पथ भ्रमित करके, शकुनि सी चाल ये चलता है,
नापाक इरादे पाक के हैं, और पाप कभी न फलता है,
"सुषमा स्वराज" ने ठीक कहा, आंतक वहीं पर पलता है।

सुषमा बाली, *नजफगढ़, नई दिल्ली*
मो. 9818967830

रोटी का चमत्कार

किसी गाँव में एक विधवा बुढ़िया रहती थी। उसका एक जवान बेटा था। एक दिन वह घर छोड़कर कहीं चला गया। बुढ़िया बहुत दुखी रहने लगी। एक दिन वह खाना बना रही थी कि द्वार पर एक बूढ़ा फकीर आकर कुछ खाने के लिए मांगने लगा। बुढ़िया ने उसे रोटी दे दी। अब प्रतिदिन वह बूढ़ा फकीर उसके घर आने लगा। बुढ़िया भी उसे रोटी दे देती फकीर दुआएँ देकर चला जाता। एक दिन बुढ़िया के मन में विचार आया कि यह तो रोज ही यहाँ रोटी लेने आ जाता है जैसे मैंने इसका कोई कर्ज देना हो। अब कल इसे कुछ नहीं दूँगी या कुछ ऐसा करुंगी कि जिससे इस बूढ़े से पीछा छूट जाए।

उसने अगले दिन आटा गूँधने के समय उसमें जहरीला पदार्थ मिला दिया और रोटी बनाकर रख दी कि बूढ़ा आएगा तो आज उसे यही जहरीली रोटी दूंगी और अपने काम में लग गई। उस दिन काफी देर तक वह बूढ़ा नहीं आया। महिला का ध्यान बार–बार उसी ओर जाता कि वह क्यों नहीं आया और उसे अपने मन में भी ग्लानि हो रही थी कि मैंने यह क्या गलत काम किया है जो आटे के अंदर जहरीला पदार्थ डाल दिया। वह झट से उठी उस रोटी को फेंक दिया और नया आटा गूंध कर जैसे ही रोटी बनाई कि बूढ़ा आ गया। रोटी लेकर खाई और बुढ़िया को आशीष देकर चला गया कि अम्मा तेरे मन की मुराद पूरी हो। तेरे बच्चे सुखी रहें।

दूसरे दिन दोपहर के समय बुढ़िया क्या देखती है कि उसका बेटा बड़ी ही कमजोर अवस्था में घर लौट आया बोला माँ मैं तो की ही तुम्हारे पास आ जाता लेकिन रास्ते में ही बेहोश होकर गिर पड़ा। तभी एक बूढ़े ने आकर मुझे उठाया और जो रोटी वह खा रहा था वो उसने मुझे खिला दी। पानी पिलाया और अपनी कुटिया में ले जाकर मेरा बहुत ध्यान रखा। यह उसकी सेवा का ही फल है जो मैं इस हालत में भी तुम तक पहुँच पाया हूँ। माँ यह सुनकर और बेटे की हालत देख स्तब्ध रह गई। सोचने लगी कि ईश्वर ने मुझे सही समय पर सही राह दिखाकर सतर्क किया जो मैंने ज़हरीली रोटी बूढ़े भिखारी को नहीं दी, नहीं तो वही रोटी मेरा बेटा खा लेता और में उसे हमेशा के लिए खो देती। वह सोचने लगी कि आज जब वह बूढ़ा आएगा तो वह उसे अच्छे से खाना खिलाएगी। परंतु उस दिन के बाद वह कभी भीख माँगने ही नहीं आया।

रंजना छिब्बर
ई.ए. 94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली,
मो. 9910695790

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor